>

Title : Need to release Rajasthan's share of water as decided in the meeting of Technical Committee of Bhakra Beas Management Board.

श्री अर्जुन राम मेघवाल (बीकानेर): सभापति जी, मैं आपके माध्यम से केन्द्र सरकार का ध्यान भाखड़ा- व्यास प्रबंधन मंडल की बैठक दिनांक 25-05-2009 को जो मनाली हिमाचल प्रदेश में हुई थी, उसके द्वारा यह तय किया गया था कि दिनांक 1 जून से 5 जून 2009 तक 8900 क्यूसेक पानी राजस्थान में पंजाब सरकार द्वारा छोड़ा जाएगा तथा 06 जून से 10 जून तक 7300 क्यूसेक पानी राजस्थान की नहरों के लिए छोड़ा जाएगा।

राजस्थान सरकार ने अखबार में विज्ञापन दिया। किसानों ने फसल बो दी लेकिन 1500-200 क्यूसेक पानी छोड़ा गया जिसके कारण फसल नÂट हो गई। मैं आपके माध्यम से केंद्र सरकार से अनुरोध करूंगा कि जिस तरह से नैचुरल कैलामिटि में केंद्र सरकार की टीम भेजकर किसानों को मुआवजा देते हैं, यह मैन मेड कैलामिटी या गवर्नमेंट मेड कैलामिटी संज्ञा में आता है इसलिए केंद्र सरकार की टीम भेजकर मुआवजा दिलाने की व्यवस्था की जाए।

महोदय, टेल एंड में जो गांव बसे हुए हैं, वहां पानी का भारी संकट हो गया है जिससे भू माफिया की तरह जल माफिया पैदा हो गया है। यह माफिया प्रतिदिन गांव के लोगों से टैंकर के लिए 200-300 रुपए लेकर पानी सप्लाई कर रहा है। राजस्थान सरकार ने इस संबंध में कार्रवाई तो की है लेकिन 200-300 रुपए का टैंकर भेज रहे हैं। यहां हजारों गांव हैं, इन टैंकरों से क्या होगा? मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि पानी का पूरा प्रबंध करें और किसानों की जो फसल नÂट हुई है, इसे आपदा मानकर किसानों को मुआवजा दिलाने की व्यवस्था करें।

MR. CHAIRMAN : Dr. Botcha Jhansi Lakshmi, I think this matter has already been covered in today's discussion. So, do you still want to raise this matter?

SHRIMATI BOTCHA JHANSI LAKSHMI (VIZIANAGARAM): No, Sir, this matter has not been covered. Kindly allow me to raise it.

MR. CHAIRMAN: All right.